Kajal purit lochan bhare,sthanyug shobhit mukt hare Veena pustak ranjit haste bhagwati bharti devi nameste. Bhajans Bhakti Song

काजल पुरित लोचन भारे, चरणयुग शोभित हरे,
वीणा पुष्पक रणजीत जल्द भगवती भक्ति देवी नमस्ते।

जय सरस्वती माता जय जय सरस्वती माता,
सदगुण वैभव शालिनी त्रिभुवन विख्याता।
जय सरस्वती माता।

चंद्रवदनी पद्मासिनी धृति मंगलकारी,
सोहं सब हंस सवरी अतुल तेजधारी।
जय सरस्वती माता।

बे कर मुझे वीना दिन कर मेरा,
शीश मुकुट मणि सोहं गल मोतिन माला।

जय सरस्वती माता।

देवी शरण जो ऐ उका उदधर की,
पैठे मंथरा दासी रावण सहर के।
जय सरस्वती माता।

विद्या ज्ञान प्रदायिनी ज्ञान प्रकाश भरो,
मोह और अग्यान तिमिर का जग से नश करो।
जय सरस्वती माता।

धुप गहरी बाज मेवा मा सुकर करो
ज्ञानचक्षु दे माता भव से मुक्त हो जाओ।
जय सरस्वती माता।

मा सरस्वती जी की आरती जो कोई सुनाई,
हितकारी सुखकारी ज्ञान भक्ति पावे।
जय सरस्वती माता।

जय सरस्वती माता जय जय सरस्वती माता,
सदगुण वैभव शालिनी त्रिभुवन विख्याता।
जय सरस्वती माता।

Source:
https://www.bharattemples.com/kajal-purit-lochan-bharesthanyug-shobhit-mukt-hare-veena-pustak-ranjit-haste-bhagwati-bharti-devi-nameste/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw